Seventeenth Loksabha

an>

Title Need to provide an identity to the family of freedom fighters.

श्री भर्तृहरि महताब (कटक): चेयरमैन सर, वर्ष 1947 में जब देश स्वतंत्र हुआ था, तो हमारे देश की आबादी करीब 33 करोड़ थी। उस समय हमारे सामने एक आंकडा आ गया था और आज भी वह आंकड़ा बार-बार चर्चा में है। वह यह है कि हमारे कितने फ्रीडर फाइटर्स जेल गए, कितने आर्म्ड स्ट्रगल में शामिल हुए और कितने आईएनए में नेताजी के नेतृत्व में मणिपुर तक कूच किए। करीब 10 लाख लोग ही थे, जो फ्रीडम स्ट्रगल में शामिल हुए थे। जब हमारा देश वर्ष 1972 में इंदिरा जी के जमाने में सिल्वर जुबली मना रहा था, उस समय उन सारे स्वतंत्रता सेनानियों को एक कॉपर प्लेक दिया गया था। यह स्मृति चिह्न हर एक परिवार के पास है, जो जेल गए थे या स्ट्रगल में शामिल हुए थे। आज हम अमृतकाल मना रहे हैं।

मेरा निवदेन केन्द्र सरकार से यह है कि इस अमृतकाल में जितने स्वतंत्रता सेनानी अभी भी जीवित हैं, उनका तो सम्मान करे, पर उसके साथ सारे स्वतंत्रता सेनानी परिवारों को फैमिली ऑफ पैट्रियट्स के हिसाब से एक आइडेंटिटी भी मिलनी चाहिए। मेरी मांग यह है कि जैसे अमेरिका में आज से करीब 200 साल पहले वहां फ्रीडम स्ट्रगल हुआ था, वार ऑफ इंडिपेंडेंस हुआ था, हरेक परिवार को चिन्हित करके उनको फैमिली ऑफ पैट्रियट्स के हिसाब से सनद मिला है। मेरी सरकार से मांग यह है कि अमृतकाल के समय सारे परिवारों को, जो स्वतंत्रता संग्राम में शामिल हुए थे, उन सब को इस तरह का एक फैमिली ऑफ पैट्रियट्स आइडेंटिटी कार्ड मिलना चाहिए।